

## 0345-0407 - Iohannes Chrysostomus - In laudem sancti Joannis theologi homilia 1

This text belongs to the [Thesaurus Linguae Graecae](#) (TLG®), a Research Center at the [University of California, Irvine](#), which digitized it and owns the relevant ©Copyright. On May 15, 2008, Prof. M. [Pantelia](#), the Director of the Center, has expressly authorized [www.documentacatholicaomnia.eu](http://www.documentacatholicaomnia.eu) to post it into our site.

Cooperatorum Veritatis Societas thanks the prof. Pantelia, the Center, and the University of California, Irvine, of having granted the opportunity to make publicly available this text of high quality, serial number '2062 298'.

Charset and format of the text have been changed in order to make it possible the computation of analytic indexes and concordances. [Analytical indexes](#) and [concordances](#) have been made by the Cooperatorum Veritatis Societas.

In laudem sancti Joannis theologi (homilia 1) [Sp.]

[00001] Εγκώμιον εἰς τὸν ἅγιον Ἰωάννην τὸν θεολόγον.

61.719

[00002] Συνεκάλεσεν ἡμᾶς, ἀγαπητοὶ, ἐπὶ τὸ αὐτὸ ὁ ἀγιώτατος Ἰωάννης ὁ θεολόγος καὶ φίλος Χριστοῦ, οὐχ ὅτι ἤδυπνόων ῥόδων κάλυκας ἡμῖν ἀνατείλας, ἀλλὰ πνευματικῶν πατέρων τὰς ἀρετὰς ἡμῖν ἐξανθήσας.

[00003] Τούτων ἡ εὐωδία ἢ εὐσεβῆς ἐστὶν ὁμολογία, καὶ τῶν ψυχῶν ἡμῶν σωτηρία.

[00004] Ποῖον, εἰπέ μοι, ῥόδον οὕτω τοῖς φύλλοις κεκόσμηται, ὡς ὁ ἀγιώτατος Ἰωάννης τῷ θεοπρεπεῖ τῶν ἁγίων στεφάνῳ δεδόξασται;

[00005] Τὸ μὲν γὰρ ῥόδον τὴν χρυσαυγοῦσαν εὐωδίαν ἔσωθεν ἀποστίλβει·

[00006] ὁ δὲ ἀγιώτατος Ἰωάννης, τὴν ἀρωματίζουσαν πολιτείαν τοῦ πανσόφου ποιμένος ἡμῶν καὶ διδασκάλου, ἐξ αὐτῆς τῆς τοῦ θρόνου κορυφῆς κατὰ κράτος ἐκλάμπει.

[00007] Ὡ Ἰωάννη, δι' ἐνιαυτοῦ μὲν τοῖς παρεπιδημοῦσι μνημονευόμενε, καθ' ἡμέραν δὲ τοῖς Ἐφεσίοις συμπολιτευόμενε·

[00008] ὦ Ἰωάννη, ὡς πρῦτανις ὑψηλὸς ἐπὶ τόδε τὸ ἱερὸν ὄρος προλάμπεις, οὐ χρήματα τοῖς πολίταις σου δωρούμενος, ἀλλ' ἴαμα τοῖς αἰτούσι σε χαριζόμενος·

[00009] ὦ Ἰωάννη, τὴν μονομάχον δράκαιναν Ἄρτεμιν τῷ τροπαίῳ τοῦ σταυροῦ κατήραξας, καὶ τὴν μονόγαμον νύμφην Χριστοῦ, τὴν Ἐκκλησίαν, τῇ δυνάμει τοῦ σταυροῦ κραταιῶς ἀνώρθωσας.

[00010] Ὡ Ἰωάννη, τὸν πατέρα σου Ζεβεδαιὸν ἐπὶ τὸ πλοῖον κατέλιπες, καὶ τὸν Δεσπότην σου Ναζωραῖον ἐπὶ τὸ στήθος ἠγάπησας.

[00011] Ὡς δύο ὄρη, τοὺς δύο μαστοὺς ἐθεώρεις, ὧν ἀνὰ μέσον ἠδέως ἀναπαυσάμενος, τὸν ἐν μέσῳ δύο ζώων γινωσκόμενον ἐθεολόγησας·

[00012] Ἐν ἀρχῇ ἦν ὁ Λόγος, καὶ ὁ Λόγος ἦν πρὸς τὸν Θεόν, καὶ Θεὸς ἦν ὁ Λόγος.

[00013] Καί μοι τὸ παράδοξον τοῦ ἀποστόλου θεώρησον.

[00014] Γῆν βρῦει ὁ μὴ ταφείς εἰς γῆν, καὶ τὸ βρῦον μάννα ἐστὶν ἱαματικόν, καὶ τὸ κενούμενον οὐκ ἐκκενοῦται τῷ χρόνῳ.

[00015] Ἄρα τίς ἢ αἰτία, τίς ἢ ἐνέργεια, οὐκ ἂν τις εὖροι εἰπεῖν·

[00016] ἀμετάβλητα γὰρ τοῦ Σωτῆρος ἡμῶν Χριστοῦ τὰ χαρίσματα, καὶ ἀνέκλειπτα τῶν ἁγίων τὰ ἐνεργήματα.

[00017] Ὡ Ἰωάννη, τὸ ὄπλον τῶν εὐσεβῶν, ἢ ὄντως εὐσεβῆς ὁμολογία, καὶ πάντων αὐτοῖς ἀποφυγὴ, ἢ πρὸς Θεὸν καταφυγή.

[00018] Ὅ γάρ ἐστι λιμὴν τοῖς χεμαζόμενοις, τοῦτο ὁ Θεὸς τοῖς καταπονουμένοις.

[00019] Σήμερον ἡμῖν ὁ ἀγιώτατος Ἰωάννης, τῆς οἰκειᾶς ἀρετῆς τὸ κάλλος ἐκλάμπει·

[00020] αὐτὸς γὰρ ἡμῖν καὶ ὑπανέγνωσται, ὥσπερ ἀπὸ βασιλικῆς εἰκόνας τῆς βίβλου τῆς ἀρχαίας ἐκλάμπων τὴν οἰκειάν εὐσέβειαν.

[00021] Ἰωάννης, ἡ καλὴ τῆς πίστεως ἀρχὴ, ἢ εὐθαλῆς ῥίζα, ἢ ἀνέκλειπτος πηγὴ, ὁ ἐν [61.720] πᾶσιν ἔθνεσιν οὐ κατ' ἐκεῖνο μόνον καιροῦ νόμος, ἀλλ' εἰς αἰεὶ ὁ πιστευθεὶς τὸ σεμνὸν τῆς εὐσεβείας ἐπάγγελμα·

[00022] τὸ πρῶτον τῆς πίστεως ἀκροθίνιον, ὁ πᾶσι τῆς εὐσεβείας τὰ ἴχνη ἀπλώσας, ὁ ζηλοῦν ἡμᾶς τὰ κάλλιστα τῆς ἀγάπης χαρίσματα παιδεύσας.

[00023] Βλέπομεν γὰρ τὸν θάλαμον τῆς παρθενίας, καὶ περιπτυσόμεθα τὴν πηγὴν τῶν ἱαμάτων.

[00024] Ἀναπτύξωμεν δὲ καὶ τὸν περὶ τοῦ φωτὸς λόγον.

[00025] Φῶς ὁ Πατήρ, φῶς ὁ Υἱός, φῶς τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον.

[00026] Φῶς ὁ Πατήρ, ἐπειδὴ Θεὸς ἀληθινός·

- [00027] φῶς ὁ Υἱός, ἐπειδὴ ἐκ τοῦ Πατρὸς ἐξέλαμψε·
- [00028] φῶς τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον, ἐπειδὴ ἐκ τοῦ Πατρὸς ἐκπορεύεται.
- [00029] καὶ διὰ τοῦτο Θεὸς ἀληθινός.
- [00030] Ὁ ἀπόστολος μαρτυρῆσει μοι λέγων, ὅτι Θεὸς φῶς ἐστι.
- [00031] Καὶ, Ἦλθεν Ἰωάννης, ἵνα μαρτυρήσῃ περὶ τοῦ φωτός·
- [00032] καὶ, Ἦν τὸ φῶς τὸ ἀληθινόν, ὃ φωτίζει πάντα ἄνθρωπον ἐρχόμενον εἰς τὸν κόσμον, τουτέστιν, ἐρχόμενον εἰς τὴν ἀλήθειαν.
- [00033] Καὶ ὁ Υἱός, Ἐγὼ εἰμι τὸ φῶς τὸ ἀληθινόν·
- [00034] καὶ, Ἐγὼ ἐν τῷ Πατρὶ καὶ ὁ Πατὴρ ἐν ἐμοί.
- [00035] Ὅτι δὲ ὁ Υἱός φῶς ἐστι καὶ ἥλιος τῆς δικαιοσύνης, καὶ ὁ προφήτης βοᾷ·
- [00036] Φωτίζου, φωτίζου, Ἰερουσαλήμ.
- [00037] Ἦκει γὰρ σοι τὸ φῶς, καὶ ἡ δόξα Κυρίου ἐπὶ σὲ ἀνατέταλκε.
- [00038] Επιτρέπετα
- [00039] Καὶ περὶ τοῦ ἁγίου Πνεύματος ἐν ψαλμοῖς ἄδεται, ὅτι, Παρὰ σοῦ πηγὴ ζωῆς.
- [00040] Ἐν τῷ φωτί σου ὀψόμεθα φῶς, τουτέστιν, ἐν τῷ Υἱῷ ὀψόμεθα τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον·
- [00041] φῶς δι' οὗ ἐφωτίσθημεν, καὶ ἕως σήμερον φωτιζόμεθα τὰς καρδίας ἡμῶν.
- [00042] Φῶς ὁ Πατὴρ, ἐπειδὴ ὁ Θεὸς ἀληθινός·
- [00043] φῶς ὁ Υἱός, ἐπειδὴ ἐκείνου τοῦ φωτὸς ἀπαύγασμά ἐστι·
- [00044] φῶς τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον τὸ ἐκ τοῦ Πατρὸς ἐκπορευόμενον·
- [00045] Οὐδεὶς γὰρ οἶδε τὰ τοῦ Θεοῦ, εἰ μὴ τὸ Πνεῦμα τὸ ἐν αὐτῷ.
- [00046] Φῶς οὖν τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον, τὸ ἀληθινόν, ὃ ἐν τῷ ἀληθινῷ φωτί θεωρεῖται καὶ νοεῖται.
- [00047] Μενέτω οὖν ἡμῖν, ἀδελφοί, ἡ πίστις ἀδόραγῆς, ἀχώριστος Τριάς.
- [00048] Καὶ γὰρ ὁ μακάριος Σολομών λέγει ὅτι τὸ ἔντριτον σπαρτίον οὐ διαδόραγῆσεται.
- [00049] Ὁ γὰρ Θεὸς ἀγιάζει, φωτίζει, ζωοποιεῖ, ἐλευθεροῖ, καὶ τὰ πλείονα τούτων.
- [00050] Καὶ ὁ Υἱός ὡσαύτως·
- [00051] πάντα γὰρ, ὅσα ὁ Πατὴρ ποιεῖ, καὶ τὸ Πνεῦμα τὸ ἅγιον ὡσαύτως ἀγιάζει, φωτίζει, ζωοποιεῖ, ἐλευθεροῖ.
- [00052] Ἠλευθερώθημεν γὰρ καὶ ἠγιάσθημεν καὶ ἐφωτίσθημεν καὶ ἀνεζήσαμεν, βαπτισθέντες εἰς Πατέρα καὶ Υἱὸν καὶ ἅγιον Πνεῦμα ᾧ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰῶνων.
- [00053] Ἀμήν.
- [00054] Επιτρέπετα

© 2006 Cooperatorum Veritatis Societas quoad hanc editionem iura omnia asservantur.  
0345-0407 - Iohannes Chrysostomus - In laudem sancti Joannis theologi homilia 1  
Litterarum Omnium Conspectus: 113 Litterae, quae repetitae sunt in 3,329 occasionibus

|   |      |     |   |      |   |
|---|------|-----|---|------|---|
| α | 0945 | 219 | A | 0913 | 0 |
| β | 0946 | 16  | B | 0914 | 1 |
| γ | 0947 | 63  | Γ | 0915 | 1 |

|   |      |     |   |      |    |
|---|------|-----|---|------|----|
| δ | 0948 | 43  | Δ | 0916 | 0  |
| ε | 0949 | 186 | Ε | 0917 | 3  |
| ζ | 0950 | 19  | Ζ | 0918 | 1  |
| η | 0951 | 45  | Η | 0919 | 0  |
| θ | 0952 | 41  | Θ | 0920 | 10 |
| ι | 0953 | 132 | Ι | 0921 | 0  |
| κ | 0954 | 85  | Κ | 0922 | 7  |
| λ | 0955 | 73  | Λ | 0923 | 3  |
| μ | 0956 | 106 | Μ | 0924 | 1  |
| ν | 0957 | 267 | Ν | 0925 | 1  |
| ξ | 0958 | 9   | Ξ | 0926 | 0  |
| ο | 0959 | 207 | Ο | 0927 | 1  |
| π | 0960 | 92  | Π | 0928 | 21 |
| ρ | 0961 | 108 | Ρ | 0929 | 0  |
| ς | 0962 | 167 | • | 0930 | 0  |
| σ | 0963 | 93  | Σ | 0931 | 4  |
| τ | 0964 | 261 | Τ | 0932 | 3  |
| υ | 0965 | 46  | Υ | 0933 | 8  |
| φ | 0966 | 37  | Φ | 0934 | 5  |
| χ | 0967 | 17  | Χ | 0935 | 3  |
| ψ | 0968 | 6   | Ψ | 0936 | 0  |
| ω | 0969 | 64  | Ω | 0937 | 0  |
| ὀ | 8164 | 2   |   |      | 0  |
| ὐ | 8165 | 6   | Ρ | 8172 |    |

|   |      |    |   |      |    |   |       |    |   |      |    |   |      |    |   |      |    |   |      |    |
|---|------|----|---|------|----|---|-------|----|---|------|----|---|------|----|---|------|----|---|------|----|
| ά | 8049 | 46 | έ | 8051 | 28 | ή | 8053  | 16 | ί | 8055 | 50 | ό | 8057 | 43 | ύ | 8059 | 20 | ώ | 8061 | 14 |
| ὰ | 8048 | 23 | ὲ | 8050 | 7  | ἦ | 80852 | 30 | ὶ | 8054 | 52 | ὸ | 8056 | 75 | ὺ | 8058 | 3  | ὠ | 8060 | 2  |
| ἄ | 8118 | 4  |   |      | 0  | ἡ | 8134  | 20 | ἱ | 8150 | 28 |   |      | 0  | ῥ | 8166 | 38 | ῶ | 8182 | 33 |
| ἶ | 7936 | 39 | ὲ | 7952 | 51 | ἦ | 7968  | 1  | ὶ | 7984 | 20 | ὸ | 8000 | 2  | ὺ | 8016 | 21 | ὠ | 8032 | 0  |
| ἶ | 7937 | 10 | έ | 7953 | 0  | ή | 7969  | 27 | ί | 7985 | 9  | ό | 8001 | 30 | ύ | 8017 | 2  | ώ | 8033 | 4  |
| ἶ | 7938 | 0  | έ | 7954 | 0  | ή | 7970  | 0  | ὶ | 7986 | 0  | ὸ | 8002 | 0  | ὺ | 8018 | 0  | ὠ | 8034 | 0  |
| ἶ | 7939 | 0  | έ | 7955 | 0  | ή | 7971  | 0  | ὶ | 7987 | 0  | ὸ | 8003 | 2  | ὺ | 8019 | 0  | ὠ | 8035 | 0  |

|   |      |   |   |      |   |   |      |   |   |      |   |   |      |   |   |      |   |   |      |    |
|---|------|---|---|------|---|---|------|---|---|------|---|---|------|---|---|------|---|---|------|----|
| ἄ | 7940 | 2 | ἔ | 7956 | 3 | ἦ | 7972 | 0 | ἰ | 7988 | 2 | ὄ | 8004 | 3 | ῦ | 8020 | 0 | ῶ | 8036 | 0  |
| ἄ | 7941 | 8 | ἔ | 7957 | 1 | ἦ | 7973 | 1 | ἰ | 7989 | 1 | ὄ | 8005 | 6 | ῦ | 8021 | 2 | ῶ | 8037 | 1  |
| ἄ | 7942 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 7974 | 3 | ἰ | 7990 | 1 |   |      | 0 | ῦ | 8022 | 2 | ῶ | 8038 | 2  |
| ἄ | 7943 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 7975 | 0 | ἰ | 7991 | 0 |   |      | 0 | ῦ | 8023 | 1 | ῶ | 8039 | 1  |
| ἄ | 8064 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8080 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 | ῦ | 8167 | 0 | ῶ | 8096 | 0  |
| ἄ | 8065 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8081 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 | ῦ | 8163 | 0 | ῶ | 8097 | 0  |
| ἄ | 8066 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8082 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 | ῶ | 8098 | 0  |
| ἄ | 8067 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8083 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 | ῶ | 8099 | 0  |
| ἄ | 8068 | 1 |   |      | 0 | ἦ | 8084 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 | ῶ | 8100 | 0  |
| ἄ | 8069 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8085 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 | ῶ | 8101 | 0  |
| ἄ | 8070 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8086 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 | ῶ | 8102 | 0  |
| ἄ | 8071 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8087 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 | ῶ | 8103 | 1  |
| α | 8115 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8131 | 1 |   |      | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 | ῶ | 8179 | 4  |
| α | 8116 | 0 |   |      | 0 | ἦ | 8132 | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 | ῶ | 8180 | 0  |
| α | 8119 | 1 |   |      | 0 | ἦ | 8135 | 2 |   |      | 0 |   |      | 0 |   |      | 0 | ῶ | 8183 | 10 |

Ceterae infrequentes vel rarissimae Litterae expositae non sunt

© 2006 Cooperatorum Veritatis Societas quoad hanc editionem iura omnia asservantur.  
0345-0407 - Iohannes Chrysostomus - In laudem sancti Joannis theologi homilia 1  
Verborum Omnium Conspectus: 354Verba, quae repetita sunt in 3,451,979 occasionibus

ἀγάπης [00022]  
ἀγαπητοί [00002]  
ἀγάζει [00049] [00051]  
ἄγιον [00001] [00025] [00028] [00040] [00044] [00046] [00051] [00052]  
ἀγίου [00039]  
ἀγίων [00004] [00016]  
ἀγιώτατος [00002] [00004] [00006] [00019]  
ἄδελφοί [00047]  
ἄδεται [00039]  
ἄει [00021]  
αἰτία [00015]  
αἰτούσι [00008]  
αἰώνας [00052]  
αἰώνων [00052]  
ἀκροθίνιον [00022]  
ἀλήθειαν [00032]  
ἀληθινόν [00032] [00046]  
ἀληθινός [00033]  
ἀληθινός [00026] [00029] [00042]  
ἀληθινῶ [00046]  
ἄλλ [00008] [00021]  
ἄλλὰ [00002]  
ἀμετάβλητα [00016]  
Ἀμῆν [00053]  
ἄν [00015]  
ἄνά [00011]  
ἀναπαυσάμενος [00011]  
Ἀναπτύξωμεν [00024]  
ἀνατείλας [00002]  
ἀνατέταλκε [00037]  
ἀνεζήσαμεν [00052]  
ἀνέκλειπτα [00016]  
ἀνέκλειπτος [00021]  
ἄνθρωπον [00032]  
ἀνώρωσας [00009]  
ἀπαύγασμά [00043]  
ἀπλώσας [00022]  
ἀποστίλβει [00005]  
ἀπόστολος [00030]  
ἀποστόλου [00013]  
ἀποφυγή [00017]

Ἄρα [00015]  
 ἀρετὰς [00002]  
 ἀρετῆς [00019]  
 ἀρρώγης [00047]  
 Ἀρτεμιν [00009]  
 ἀρχαίας [00020]  
 ἀρχὴ [00021]  
 ἀρχὴ [00012]  
 ἀρωματίζουσαν [00006]  
 αὐτῆς [00006]  
 αὐτὸ [00002]  
 αὐτοῖς [00017]  
 αὐτὸς [00020]  
 αὐτῶ [00045]  
 ἀχώριστος [00047]

βαπτισθέντες [00052]  
 βασιλικῆς [00020]  
 βίβλου [00020]  
 Βλέπομεν [00023]  
 βοᾶ [00035]  
 βρῦει [00014]  
 βρῦον [00014]

γὰρ [00005] [00016] [00020] [00023] [00045] [00048] [00049] [00051] [00052]  
 γὰρ [00018] [00037]  
 Γῆν [00014]  
 γῆν [00014]  
 γνωσκόμενον [00011]

δὲ [00006] [00007] [00024] [00035]  
 δεδόξασται [00004]  
 Δεσπότην [00010]  
 δι [00007] [00041]  
 διὰ [00029]  
 διαρρήσσειται [00048]  
 διδασκάλου [00006]  
 δικαιοσύνης [00035]  
 δόξα [00037] [00052]  
 δράκαιναν [00009]  
 δυνάμει [00009]  
 δύο [00011] [00011] [00011]  
 δωρούμενος [00008]

Εγκώμιον [00001]  
 Ἐγὼ [00034]  
 Ἐγὼ [00033]  
 ἐθεολόγησας [00011]  
 ἐθεώρεις [00011]  
 ἔθνεσιν [00021]  
 εἰ [00045]  
 εἰκόνας [00020]  
 εἴμι [00033]  
 εἶπέ [00004]  
 εἰπεῖν [00015]  
 εἰς [00001] [00014] [00021] [00032] [00032] [00052] [00052]  
 ἐκ [00027] [00028] [00044]  
 ἐκεῖνο [00021]  
 ἐκεῖνου [00043]  
 ἐκκενοῦται [00014]  
 Ἐκκλησίαν [00009]  
 ἐκλάμπει [00006] [00019]  
 ἐκλάμπων [00020]  
 ἐκπορεύεται [00028]  
 ἐκπορευόμενον [00044]  
 ἐλευθεροῖ [00049] [00051]  
 ἐμοί [00034]  
 ἐν [00011] [00021] [00034] [00034] [00039] [00040] [00045] [00046]  
 Ἐν [00012] [00040]  
 ἐνέργεια [00015]  
 ἐνεργήματα [00016]  
 ἐνιαυτοῦ [00007]  
 ἐντιτον [00048]  
 ἐξ [00006]  
 ἐξανθήσας [00002]  
 ἐξέλαμψε [00027]  
 ἐπάγγελμα [00021]  
 ἐπειδὴ [00026] [00027] [00028] [00042] [00043]  
 ἐπὶ [00002] [00008] [00010] [00010] [00037]  
 Ἐπιτρέπεται [00038] [00054]  
 ἐρχόμενον [00032] [00032]  
 ἐστι [00018] [00030] [00035] [00043]  
 ἐστιν [00014]  
 ἐστιν [00003]  
 ἔσωθεν [00005]  
 εὐθαλῆς [00021]  
 εὖροι [00015]  
 εὐσέβειαν [00020]  
 εὐσεβείας [00021] [00022]  
 εὐσεβῆς [00017]  
 εὐσεβῆς [00003]  
 εὐσεβῶν [00017]  
 εὐωδία [00003]  
 εὐωδία [00005]  
 Ἐφεσίους [00007]  
 ἐφωτίσθημεν [00041] [00052]  
 ἕως [00041]

Ζεβεδαιὸν [00010]  
 ζηλοῦν [00022]  
 ζωῆς [00039]  
 ζωοποιεῖ [00049] [00051]  
 ζώων [00011]

ἦ [00003] [00003] [00015] [00015] [00017] [00017] [00021] [00021] [00021] [00037] [00047] [00052]

ἡγάπησας [00010]  
 ἡγιάσθημεν [00052]  
 ἡδέως [00011]  
 ἡδυπνόνων [00002]  
 Ἦκει [00037]  
 Ἠλευθερώθημεν [00052]  
 Ἠλθεν [00031]  
 ἦλιος [00035]  
 ἡμᾶς [00002] [00022]  
 ἡμέραν [00007]  
 ἡμῖν [00002] [00002] [00019] [00020] [00047]  
 ἡμῶν [00003] [00006] [00016] [00041]  
 ἦν [00012] [00012] [00012]  
 Ἦν [00032]

θάλαμον [00023]  
 θεολόγον [00001]  
 θεολόγος [00002]  
 Θεόν [00012] [00017]  
 θεοπρεπεί [00004]  
 Θεὸς [00012] [00018] [00026] [00029] [00030] [00042] [00049]  
 Θεοῦ [00045]  
 θεωρεῖται [00046]  
 θεώρησον [00013]  
 θρόνου [00006]

ἱαμα [00008]  
 ἱαματικὸν [00014]  
 ἱαμάτων [00023]  
 ἱερὸν [00008]  
 Ἰερουσαλήμ [00036]  
 ἶνα [00031]  
 ἰχνη [00022]  
 Ἰωάννη [00007] [00008] [00009] [00010] [00017]  
 Ἰωάννην [00001]  
 Ἰωάννης [00002] [00004] [00006] [00019] [00021] [00031]

καθ [00007]  
 καιροῦ [00021]  
 καλή [00021]  
 κάλλιστα [00022]  
 κάλλος [00019]  
 κάλυκας [00002]  
 καρδίας [00041]  
 κατ [00021]  
 καταπονουμένοις [00018]  
 καταφυγή [00017]  
 κατέλιπες [00010]  
 κατήραξας [00009]  
 κεκόσμηται [00004]  
 κενούμενον [00014]  
 κορυφῆς [00006]  
 κόσμον [00032]  
 κραταιῶς [00009]  
 κράτος [00006]  
 Κυρίου [00037]

λέγει [00048]  
 λέγων [00030]  
 λιμῆν [00018]  
 λόγον [00024]  
 Λόγος [00012] [00012] [00012]

μακάριος [00048]  
 μάννα [00014]  
 μαρτυρήσει [00030]  
 μαρτυρήσει [00031]  
 μαστοῦς [00011]  
 μὲν [00005] [00007]  
 Μενέτω [00047]  
 μέσον [00011]  
 μέσῳ [00011]  
 μνημονευόμενε [00007]  
 μοι [00004] [00013] [00030]  
 μονόγαμον [00009]  
 μονομάχον [00009]  
 μόνον [00021]

Ναζωραῖον [00010]  
 νοεῖται [00046]  
 νόμος [00021]  
 νύμφην [00009]

ὁ [00002] [00002] [00004] [00006] [00012] [00012] [00012] [00014] [00018] [00019] [00021] [00021] [00022] [00022] [00025] [00025] [00026] [00027] [00033] [00034] [00035] [00035] [00042] [00042] [00043] [00048]  
 [00050] [00051]  
 ὁ [00032] [00046]  
 Ὁ [00030] [00049]  
 Ὁ [00018]  
 οἶδε [00045]  
 οἰκίαν [00020]  
 οἰκείας [00019]  
 ὁμολογία [00003] [00017]  
 ὄντως [00017]  
 ὄπλον [00017]  
 ὄρη [00011]  
 ὄρος [00008]  
 ὅσα [00051]  
 ὅτι [00002] [00030] [00039] [00048]  
 Ὅτι [00035]  
 οὐ [00008] [00021] [00048]  
 οὐ [00041]  
 Οὐδεὶς [00045]  
 οὐκ [00014] [00015]

οὐν [00046] [00047]  
 οὐτω [00004]  
 οὐχ [00002]  
 ὀψόμεθα [00040] [00040]

παιδεύσας [00022]  
 πανσόφου [00006]  
 πάντα [00032] [00051]  
 πάντων [00017]  
 Παρά [00039]  
 παράδοξον [00013]  
 παρεπιδημοῦσι [00007]  
 παρθενίας [00023]  
 πᾶσι [00022]  
 πᾶσιν [00021]  
 Πατέρα [00052]  
 πατέρα [00010]  
 πατέρων [00002]  
 Πατήρ [00025] [00026] [00034] [00042] [00051]  
 Πατρι [00034]  
 Πατρός [00027] [00028] [00044]  
 περὶ [00024] [00031] [00039]  
 περιπτυσόμεθα [00023]  
 πηγῇ [00021] [00039]  
 πηγῆν [00023]  
 πιστευθεῖς [00021]  
 τίστεως [00021] [00022]  
 πίστις [00047]  
 πλείονα [00049]  
 πλοῖον [00010]  
 Πνεῦμα [00025] [00028] [00040] [00044] [00045] [00046] [00051] [00052]  
 πνευματικῶν [00002]  
 Πνεύματος [00039]  
 ποιῆ [00051]  
 ποιμένος [00006]  
 Ποῖον [00004]  
 πολίταις [00008]  
 πολιτείαν [00006]  
 προλάμπεις [00008]  
 πρὸς [00012] [00017]  
 προφήτης [00035]  
 πρύτανις [00008]  
 πρῶτον [00022]

ρίζα [00021]  
 ῥόδον [00004] [00005]  
 ῥόδων [00002]

σὲ [00037]  
 σε [00008]  
 σεμνὸν [00021]  
 Σήμερον [00019]  
 σήμερον [00041]  
 σοι [00037]  
 Σολομῶν [00048]  
 σοῦ [00039]  
 σου [00008] [00010] [00010] [00040]  
 σπαρτίον [00048]  
 σταυροῦ [00009] [00009]  
 στεφάνω [00004]  
 στήθος [00010]  
 συμπολιτευόμενε [00007]  
 Συνεκάλεσεν [00002]  
 σωτηρία [00003]  
 Σωτήρος [00016]

τὰ [00016] [00016] [00022] [00022] [00045] [00049]  
 τὰς [00002] [00041]  
 ταφεῖς [00014]  
 τῆ [00009]  
 τὴν [00005] [00006] [00009] [00009] [00009] [00020] [00023] [00032]  
 τῆς [00006] [00019] [00020] [00020] [00021] [00021] [00022] [00022] [00023] [00035]  
 τίς [00015] [00015]  
 τις [00015]  
 Τὸ [00005]  
 τὸ [00002] [00008] [00010] [00010] [00013] [00014] [00014] [00017] [00019] [00021] [00022] [00025] [00025] [00028] [00028] [00032] [00032] [00033] [00033] [00037] [00040] [00040] [00044] [00044] [00044]  
 [00045] [00045] [00046] [00046] [00046] [00048] [00051] [00051]  
 τότε [00008]  
 τοῖς [00004] [00007] [00007] [00008] [00008] [00018] [00018]  
 τὸν [00001] [00001] [00010] [00010] [00011] [00012] [00023] [00024] [00032]  
 τοῦ [00006] [00006] [00009] [00009] [00013] [00016] [00024] [00027] [00028] [00031] [00039] [00043] [00044] [00045]  
 τοὺς [00011] [00052]  
 τουτέστιν [00032] [00040]  
 τοῦτο [00018] [00029]  
 Τούτων [00003]  
 τούτων [00049]  
 Τριάς [00047]  
 τροπαίω [00009]  
 τῶ [00004] [00009] [00014] [00034] [00040] [00040] [00046]  
 τῶν [00003] [00004] [00016] [00017] [00023] [00052]

Υἱὸν [00052]  
 Υἱὸς [00025] [00027] [00033] [00035] [00043] [00050]  
 Υἱῶ [00040]  
 ὑπανέγνωσται [00020]  
 ὑψηλός [00008]

φίλος [00002]  
 φύλλοις [00004]  
 Φῶς [00025] [00026] [00042] [00046]  
 φῶς [00025] [00025] [00027] [00028] [00030] [00032] [00033] [00035] [00037] [00040] [00041] [00043] [00044]  
 φωτι [00046]  
 φωτὶ [00040]  
 φωτίζει [00032] [00049] [00051]  
 φωτισόμεθα [00041]

Φωτίζου [00036]  
φωτίζου [00036]  
φωτός [00024] [00043]  
φωτός [00031]

χαριζόμενος [00008]  
χαρίσματα [00016] [00022]  
χειμαζόμενοι [00018]  
χρήματα [00008]  
Χριστού [00002] [00009] [00016]  
χρόνω [00014]  
χρυσουργούσαν [00005]

ψαλμοίς [00039]  
ψυχών [00003]

ὦ [00008] [00009]  
Ὡ [00007] [00010] [00017]  
ὦ [00052]  
ὦν [00011]  
ὡς [00004] [00008]  
Ὡς [00011]  
ὡσαύτως [00050] [00051]  
ὥσπερ [00020]